भा. कृ. अनु. प.- केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर

ICAR-central Institute for Cotton Research, Nagpur

An ISO 9001:2015 Certified Organisation

कपास की खेती के लिए 12 से 18 दिसंबर 2023 तक XXX साप्ताहिक परामर्श

हरियाणा		पिछले सप्ताह में वास्तविक वर्षा(मिमी)					अगले सप्ताह अनुमानित वर्षा (मिमी)				
		दिसंबर					दिसंबर				
		08	09	10	11	12	14	15	16	17	18
	हिसार	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	जींद	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	सिरसा	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	रोहतक	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
वर्षा की मात्रा एवं रंग कोड		0.1 to 2.4 मिमी		2.5 to 15.5 मिमी		15.6 to 64.4 मिमी		64.5 to 115.5 मिमी		115.6 to 204.4 मिमी	
वर्षा श्रेणी		बहुत हल्की वर्षा		हल्की वर्षा		मध्यम वर्षा		भारी वर्षा		बहुत भारी वर्षा	

फसल की स्थिति:

हिसार और सिरसा में सभी खेतों में कपास की चुनाई का काम पूरा हो चुका है।

परामर्श:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे श्रेडर का उपयोग करके संक्रमित कपास की फसल के अवशेषों के डंठलों को उखाड़कर मिट्टी में मिला कर नष्ट कर दें।

राजस्थान		पिछले सप्ताह में वास्तविक वर्षा(मिमी)					अगले सप्ताह अनुमानित वर्षा (मिमी)				
		दिसंबर					दिसंबर				
		08	09	10	11	12	14	15	16	17	18
	अजमेर	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	जोधपुर	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	नागौर	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	पाली	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	श्री गंगानगर	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
वर्षा की मात्रा एवं रंग कोड		0.1 to 2.4 मिमी		2.5 to 15.5 मिमी		15.6 to 64.4 मिमी		64.5 to 115.5 मिमी		115.6 to 204.4 मिमी	
वर्षा श्रेणी		बहुत हल्की वर्षा		हल्की वर्षा		मध्यम वर्षा		भारी वर्षा		बहुत भारी वर्षा	

फसल की स्थिति:

दक्षिणी राजस्थान (बांसवाड़ा, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, राजसमंद और उदयपुर) और श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ में, कपास की चुनाई का काम पूरा हो गया है।

परामर्श:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे श्रेडर का उपयोग करके संक्रमित कपास की फसल के अवशेषों के डंठलों को उखाड़कर मिट्टी में मिला कर नष्ट कर दें।

मध्य प्रदेश		पिछले सप्ताह में वास्तविक वर्षा(मिमी)					अगले सप्ताह अनुमानित वर्षा (मिमी)				
		दिसंबर					दिसंबर				
		08	09	10	11	12	14	15	16	17	18
	खरगाँव										
	धार	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	खांडवा										
वर्षा की मात्रा एवं रंग कोड		0.1 to 2.4 मिमी		2.5 to 15.5 मिमी		15.6 to 64.4 मिमी		64.5 to 115.5 मिमी		115.6 to 301.0 मिमी	
वर्षा श्रेणी		बहुत हल्की वर्षा		हल्की वर्षा		मध्यम वर्षा		भारी वर्षा		बहुत भारी वर्षा	

फसल की स्थिति:

खंडवा में, जल्दी बोई गई फसल अंतिम चुनाई के चरण में है। सभी इलाकों में फसलकाल लगभग खत्म हो चुका है। अधिकांश छूटे हुए क्षेत्रों में अंतिम चुनाई जारी है।

परामर्श:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे किसानों को सलाह दी जाती है कि कपास की चुनाई के समय उचित सावधानी बरतें। तेज धूप में ओस सूखने के बाद ही कपास की चुनाई शुरू करनी चाहिए। आंशिक रूप से खुले, अविकसित बीजकोष या नमी वाले बीजकोषों से कपास की चुनाई नहीं करनी चाहिए।कपास चुनने के बाद उसे साफ कपड़े या तिरपाल पर रखना चाहिए। कपास चुनते समय सूखी पत्तियों के टुकड़े, डंठल और मिट्टी को कपास में मिलाने से बचें।अधिक नमी कपास के रेशे के साथ-साथ बीज की गुणवत्ता को भी नुकसान पहुँचाती है। बाद में आवश्यकता के अनुसार चुनी हुई कपास का संग्रहण करें। कपास के रेशे के भंडारण करते समय कुछ सावधानियों का पालन किया जाना चाहिए।भण्डार गृह हवादार एवं पक्का होना चाहिए। यदि आवश्यक हो तो कपास के भंडारण करने से पहले भंडार गृह का धूम्रीकरण किया जाना चाहिए। भंडारण से पहले कपास को ठीक से सुखा लेना चाहिए। खेतों से कपास के डंठलों को नष्ट कर दें और खेतों में डंठलों का ढेर लगाने से भी बचें। खेतों से रोगग्रस्त बीजकोषों और फसल के अवशेषों को इकट्ठा करें और नष्ट कर दें।

कपास उत्पादन तकनीक के संबंध में विस्तृत जानकारी, जैसे कि मिट्टी, किस्मों, उर्वरक आवेदन, बुवाई के तरीकों, सिंचाई प्रणालियों, खरपतवारों, कीटों और बीमारियों के प्रबंधन आदि को भाकृअनुप -केकअनुसं, नागपुर द्वारा विकसित एंड्रॉइड आधारित **सीआईसीआर कॉटन ऐप** द्वारा ली जा सकता है। ऐप को गूगल प्ले स्टोर से बिना किसी शुल्क के डाउनलोड किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, फसल विकास चरण विशिष्ट और मौसम आधारित साप्ताहिक सलाह को भाकृअनुप -केकअनुसं की वेबसाइट पर भी अपलोड किया जाता है, ताकि किसानों के लाभ के लिए परामर्श दिया जा सके ।